योगी ने 2047 तक का खाका खींच मोदी विजन को दी हवा

श्री सीमेंट अस्पताल बनाने के लिए करेगा पांच करोड़ का निवेश, विकसित भारत का संकल्प लेकर मंच से जताई राजनीतिक इच्छा शक्ति

अनिल गुप्ता • जागरण

एटा : यह मोदी का विजन है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसमें प्रदेश की भागीदारी रहेगी। उत्तर प्रदेश विकसित हो रहा है। इस विजन को पार्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बखूबी से की। अगले 20 वर्ष की राजनीतिक इच्छा शक्ति जताई। ऐसे में तालियां बजनी जानी थीं। देर तक गूंजती रहीं। सीएम ने अगले वर्षों का विकास का खाका खींचा तो उद्यमी भी यास से उत्साहित दिखे।

मौका था श्री सीमेंट प्लांट के लोकार्पण कार्यक्रम का। पंडाल में गिने-चुने लोग ही थे। आम जनता को नहीं बुलाया गया था। सीएम ने उद्यमियों की नब्ज को भांप लिया। इसके बाद उन्होंने विकास की बातों की झड़ी लगा दी। वर्ष 2047 का जिक्र किया। उद्योग या मोदी की इच्छा शक्ति लोगों को बताया। इसके साथ ही साफ तौर पर कहे बिना ही संकेत दिया कि अभी 20 साल राज और करेंगे। भाषण के बीच फिर से तालियां बजीं। सीएम ने श्री सीमेंट के साथ संबंधों का जिक्र किया। बोले कि नाता

श्री सीमेंट के लोकार्पण कार्यक्रम में मौजूद उद्योगों से जुड़े लोग और कर्मचारी • जागरण

पुराना है। श्री सीमेंट का सीएसआर (कारपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) से पांच करोड़ खर्च कर अस्पताल बनाने का लक्ष्य है। चित्रकूट में 40 मेगावाट सोलर प्लांट लगाया है। इसी सोलर प्लांट की बिजली यहां काम आ रही है। इस फैक्ट्री से 2500 लोगों को रोजगार मिलेगा। स्थानीय युवाओं को काम मिलेगा।

बीच में ही सीएम फिर से मोदी के विजन की ओर मुड़े। बोले कि अभी बहुत काम करना है। कई बड़ी परियोजनाओं का लक्ष्य लिया है। वह भी पूरी करनी हैं। इसके लिए समय तो लगेगा ही। मेडिकल, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग अवस्थापना के बहुत से काम करने हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत करना है। हमारे काम दिखाई दे रहे हैं। एटा की कनेक्टिविटी हो गई है। प्रदेश में सड़कें चमक रही हैं। हमें यहां ट्रैफिक द्वारा इकोनॉमी बनाने पर काम करना है। इससे आर्थिकी मजबूत होगी। 20 मिनट के भाषण में सीएम ने कई परियोजनाएं गिना दीं। बार-बार दोहराया कि प्रदेश में निवेश हो रहा है। कारोबारियों में रुचि बढ़ी है। सीएम ने विकास न कराने को लेकर सपा, कांग्रेस को कई बार घेरा। इन पार्टियों को अपराधियों से जोड़कर कार्रवाई तक की बात की। सीएम बार-बार कहते रहे कि पहले जो होता था, अब नहीं होता।

दिल्ली की घटना के बाद अलर्ट रही पुलिस, कड़ी सुरक्षा

जागरण संवाददाता, एटा : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ हुई अप्रत्याशित घटना के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन पर सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी कर दी गई। मुख्यमंत्री को पब्लिक से दूरी बनाए रखी। हालांकि कार्यक्रम आम पब्लिक के लिए नहीं था, फिर भी उनके नजदीक कोई न पहुंच पाए इसका सुरक्षा एजेंसियों ने पूरा ख्याल रखा।

श्री सीमेंट फैक्ट्री परिसर में सीएम योगी की सुरक्षा को लेकर तैनात पुलिस • जागरण

मुख्यमंत्री का आगमन ठीक 11 बजे हुआ, समय भी यही निर्धारित था। सीएम सही समय पर पहुंचे। कार्यक्रम में मौजूद प्रत्येक व्यक्ति को सूचीबद्ध किया गया था। सभी का डाटा पुलिस के पास उपलब्ध था। हाईवे से पक्का प्लांट के लिए मुड़ते ही बनाए गए बैरियर पर पुलिस बल का जमावड़ा था। जिनके नाम सूची में थे उन्हें ही अंदर जाने दिया जा रहा था।

इसके बाद चार बैरियर और भी बनाए गए। इन सभी बैरियरों पर कार्यक्रम में आने वालों की सूचियां और उनके आगमन कार्ड नंबर भी उपलब्ध थे। पुलिस की नजर एक-एक व्यक्ति पर थी। पंडाल के मेन गेट पर खासी तादाद में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों का जमावड़ा था।

वहां प्रत्येक का आकार कार्ड देखकर और सूची से मिलान करके ही अंदर जाने दिया जा रहा था। हेलीपैड पर चुनिंदा लोगों के अलावा किसी को भी जाने की इजाजत नहीं थी। सिर्फ कमिश्नर और डीआइजी तथा जिलाधिकारी और एसएसपी, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और श्रीसीमेंट ग्रुप के चेयरमैन एचएम बांगर ही मौजूद रहे। हेलीपैड पर मुख्यमंत्री को हेलमेट दिया गया, इसके बाद वे निरीक्षण पर निकले। उन्होंने फैक्ट्री के बारे में जानकारी ली और फोटो शूट भी कराए। सिर्फ विधायक और भाजपा के जिलाध्यक्ष ही मंच पर नजर आए।